

आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब जीती



जयपुर, 23 जून। अंडर – 16 अरावली कप में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 203 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाए। सुमित शर्मा ने सर्वाधिक 126 रनों का योगदान दिया। बालाजी क्रिकेट अकादमी की ओर से विशाल चौधरी ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बालाजी क्रिकेट अकादमी 31 ओवर में 116 रन पर ऑल आउट हो गए। श्रेयांश ने सर्वाधिक 51 रनों का योगदान दिया। आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से नक्ष ने तीन और कान्हा ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सुमित शर्मा को चुना गया।

पृथ्वी शॉ ने अन्य राज्य से खेलने की एमसीए से मांगी अनुमति

मुम्बई, 23 जून। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को एक पत्र लिखकर आगामी घरेलू सत्र किसी अन्य राज्य की ओर से खेलने की अनुमति मांगी है। शॉ ने अपने पत्र में लिखा, मैं इस अवसर पर मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिन्होंने मुझे प्रतिनिधित्व करने का अवसर और समर्थन दिया। एमसीए सेटअप का हिस्सा होना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है और यहां मुझे जो अनुभव और मंच मिला उसके लिए मैं बेहद आभारी हूँ। मेरे करियर के इस मोड़ पर मुझे एक अन्य राज्य से पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक शानदार अवसर मिला है, मुझे लगता है कि यह अवसर एक क्रिकेटर के रूप में मेरे विकास और प्रगति में सहायक होगा। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि मुझे अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करें, ताकि मैं आधिकारिक रूप से आगामी घरेलू सत्र में नए राज्य के लिए खेल सकूँ। उन्होंने कहा कि मैंने विचार-विमर्श और एमसीए के प्रति पूरे सम्मान के साथ यह निर्णय लिया है। वह इस संघ द्वारा वर्षों से दिए गए मार्गदर्शन और मंच के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।

कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमटे, हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यों ने कांग्रेस के 5 सालों को पीछे छोड़ा : मुख्यमंत्री

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसी नेताओं के सोशल मीडिया पर किए जा रही पोस्ट पर चुटकियां लेते हुए कहा कि कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमट कर रह गए। कांग्रेसी कहते हैं कि सीएम रुकते नहीं , जबकि मैं कहता हूँ कि होटलों में रुकने के लिए तो कांग्रेसी ही काफी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं बिजली नहीं आ रही, मुझे बता तो दो कहा नहीं आ रही, मैं डेढ़ साल का हिस्सा और आप अपना पुराना पाँच का हिस्सा लेकर आ जाना बता दूँगा। मैंने डेढ़ साल में तुम्हारे पाँच सालों को पीछे छोड़ दिया है।

भजनलाल शर्मा ने यह बातें सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के 5 साल में बिजली उत्पादन, घरेलू और कृषि कनेक्शन जारी करने के आंकड़ों की तुलना हमारी सरकार के 1.5 साल में किए गए कार्य से करें तो वस्तुस्थिति स्पष्ट हो जाएगी। कांग्रेसी दिवट करते हैं जबकि हमारी सरकार धरातल पर काम कर रही है। कांग्रेस ने हमेशा भेदभाव की राजनीति की और गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को लुटा, जबकि भाजपा की विचारधारा 'राष्ट्र प्रथम' की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज का दिन केवल स्मरण का नहीं,



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रेरणा का दिन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा दिया एक देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेगे, वह कोई राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक था और भारत की आत्मा को पुकार था। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना कर वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा को जन्म देने वाली 14 लोगों की पार्टी आज 14 करोड़ कार्यकर्ताओं का संगठन बनकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है का नारा आज भी जीवंत है। कश्मीर से धारा 370 हटाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। राम मंदिर निर्माण हो या अनुच्छेद 370 का समाप्त होना, यह सब उनकी दूरदर्शी सोच और बलिदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि डॉ. श्यामा प्रसाद

मुखर्जी के सपनों के भारत को साकार करने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसे हम सभी को पूरा करना होगा।

हमारी सरकारें गरीब, महिला, किसान और युवा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। कांग्रेस की इसी गरीबों को लुटने वाली नीति के चलते जो पार्टी पंचायत से लेकर संसद तक थी, वह राष्ट्रवाद से हार गई। भाजपा राष्ट्र के लिए

- पंचायत से लेकर संसद तक कांग्रेस ने विचारधारा को छोड़ा तो हुई बड़ी गर्त : मुख्यमंत्री
- डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुद्धिकरण के प्रेरणास्रोत : मदन राठौड़

समर्पित विचारधारा की पार्टी है। भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज है, जो सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रही है। हम संगठन और सेवा-दोनों क्षेत्रों में समान रूप से सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा कल से पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़ा का आयोजन करेगी। इसमें अंतिम पॉकेट के व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने बजट में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त करने के लिए घोषणा की थी। इस बजट घोषणा के क्रियान्वयन में भाजपा सरकार ने 300 करोड़ का बजट जारी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम के बाद प्रत्येक कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुद्धिकरण के प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन एक विचार, एक उद्देश्य और एक समर्पण की मिसाल है। मुखर्जी जी का परिवार स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा था। राष्ट्रवाद की भावना उन्हें विरासत में मिली। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने आंदोलन किया, विधानसभा से इस्तीफा दिया और निर्दलीय चुनाव जीतकर लोगों की आवाज बने। मुखर्जी जी स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री बने, परंतु जब उन्होंने सरकार में तृष्टीकरण और सांस्कृतिक अपमान देखा तो इस्तीफा दे दिया। उस समय कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित कबायली हमला हुआ। कश्मीर की इच्छा जताई, पर प्रधानमंत्री नेहरू ने समय तक नहीं दिया। परिणामस्वरूप आधा कश्मीर पाक अधिकृत हो गया। मुखर्जी को यह स्वीकार नहीं था कि भारत में दो विधान, दो संविधान और दो निशान हों जबकि कश्मीर भारत का अंग था। उन्होंने इस अन्याय का विरोध किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि नेहरू सरकार निरंकुश थी, शेख अब्दुल्ला से उनके व्यक्तित्व रित्ते राष्ट्रिहृत पर हावी हो गए। विरोध करने वालों को कुचला गया। डॉ. मुखर्जी ने सत्य और राष्ट्रिहत के लिए मंत्री पद त्याग किया। उन्होंने बताया कि जनसंघ की स्थापना मुखर्जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर की थी। पहले ही चुनाव में पार्टी ने 3 सांसद और 23 विधायक जीतकर राजनीतिक विकल्प के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बर्लिन यात्रा के दौरान देवनानी ने किये वेदांत दर्शन



राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बर्लिन यात्रा के दौरान स्वामी बनेशानंद से भेंट की।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बर्लिन में सोमवार को रामकृष्ण मिशन केंद्र के बेलूर मठ गए । उन्होंने वेदांत गेसेल शाफ्ट संस्था के प्रतिष्ठित केंद्र का अवलोकन किया।

बेलूर मठ रामकृष्ण मिशन का आध्यात्मिक केंद्र है। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी बनेशानंद से भेंट की । दोनों के मध्य सनातन, आध्यात्मिक और भारतीय संस्कृति पर संवाद हुआ। देवनानी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन के इस यूरोपीय केंद्र में अद्वैत वेदांत, योग और ध्यान के माध्यम से भारतीय दर्शन का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। यह केंद्र न केवल बौद्धिक चिंतन का स्थल है, बल्कि यह मानवता की सेवा और आत्म-जागरूकता को समर्पित एक प्रकाश-स्तम्भ के रूप में कार्य कर रहा है। वासुदेव देवनानी और स्वामी बनेशानंद ने वेदांत दर्शन, भारतीय संस्कृति के वैश्विक स्वरूप और आधुनिक युग में अध्यात्म की

- यूरोप में भारतीय अध्यात्म का आलोक : देवनानी**

आवश्यकता जैसे गूढ़ विषयों पर चर्चा की । इस संवाद को श्री देवनानी ने आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण और जीवन-दृष्टि को व्यापक बनाने वाला बताया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा और रामकृष्ण मिशन का कार्य भारत की आत्मा को वैश्विक मंच पर मुखर करता है। अन्य देशों में यह केंद्र भारतीयता की दिव्य ज्योति को विश्वभर में प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। यह केंद्र भारत और यूरोप के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुल के रूप में एक महत्वपूर्ण है। श्री देवनानी ने इस केंद्र को आध्यात्मिक तीर्थ बताया, जहाँ विचार, साधना और सेवा के त्रिवेणी संगम के दर्शन होते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 370 रन

इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने



दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है। भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफिशियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने पहला ऑफिशियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय

पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियों में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिव्य राहणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

इशान किशन ने इंग्लैंड में मचाया तूफान, डेब्यू मैच में जड़े 12 चौके और 1 छक्का

भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी में इस वकत इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, लेकिन टेस्ट टीम से दूर चल रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन इंग्लैंड में अभी

काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंगमशायर के लिए खेल रहे हैं। इशान ने काउंटी चैंपियनशिप में इस टीम के लिए डेब्यू किया और फिर यॉर्कशायर के खिलाफ पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी की। भारत के

लिए 2 टेस्ट मैच चुके इशान किशन पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। उन्हें नॉटिंगमशायर ने दो मैच के लिए साइन किया है। यॉर्कशायर के खिलाफ इशान किशन को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली।

और पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उन्हें छठे नंबर पर भेजा गया। इशान ने मैदान पर आते ही तेज गति से रन बनाना शुरू कर दिया और विपक्षी गेंदबाजों पर जमकर बरसे।

लीड्स, 23 जून। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने सोमवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ शतक बनाने के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्होंने एशिया के बाहर बतौर सलामी बल्लेबाज अपना छठा टेस्ट शतक लगाया। वह यह कारनामा करने महान सुनील गावस्कर के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं।

राहुल ने अपने खास अंदाज में शतक टेस्ट करियर का यह नौवां शतक है। यह लगाया। उन्होंने कवर ड्राइव के जरिए अपना शतक पूरा किया। यह शॉट इतना सटीक और प्रभावशाली था कि स्वीपर कवर खिलाड़ी के पास भी कोई मौका नहीं था। भारतीय

ओपनर ने जश्न मनाते हुए दूसरा रन लिया। उन्होंने ड्रेसिंग रूम का अभिवादन किया और मैदान में तालियां गूंज उठीं।

केएल राहुल अब एशिया के बाहर किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट शतक (छह) बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वह सुनील गावस्कर (15) से पीछे हैं और वीरेंद्र गावस्कर के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं।